108 स्वमान की माला

मैं अशरीरी आत्मा हूँ ।।	मैं अकाल तख़्तनशीन हूँ ।
मैं अखंड महादानी हूँ ।	मैं अथक सेवाधारी हूँ ।
मैं अन्तर्मुखी हूँ ।	मैं अर्जुन हूँ ।
मैं आकर्षण रूरत हूँ ।	मैं अव्यक्त फ़रिश्ता हूँ ।
मैं अवतरित आत्मा हूँ ।	मैं अष्ट शक्तिधारी ईष्ट देव हूँ ।
मैं आधार मूर्त हूँ ।	मैं आशाओं का दीपक हूँ ।
मैं आज्ञाकारी हूँ ।	मैं इच्छा मात्रम् अविद्या हूँ ।
मैं उदाहरण मूर्त हूँ ।	मैं एकान्तवासी हूँ ।
मैं कम्बाइन्ड हूँ ।	मैं कर्मयोगी हूँ ।
मैं कर्मेन्द्रियजीत हूँ ।	मैं खुदा दोस्त हूँ ।
मैं खुशनसीब हूँ ।	मैं गॉडली स्टूडेन्ट हूँ ।
मैं चरित्रवान हूँ ।	मैं जगतजीत हूँ ।
मैं जगतमाता हूँ ।	मैं जहान का नूर हूँ ।
मैं ज्वालामुखी आत्मा हूँ ।	मैं ट्रस्टी हूँ ।
मैं डबल अहिंसक हूँ ।	मैं डबल ताजधारी हूँ ।
मैं चतुर्भुज विष्णु हूँ ।	मैं त्रिनेत्री हूँ ।
मैं डबल लाइट हूँ ।	मैं तक़दीरवान हूँ ।
मैं त्रिकालदर्शी हूँ ।	मैं त्रिलोकीनाथ हूँ ।
मैं दिल तख़्तनशीन हूँ ।	मैं बाबा के नयनों का नूर हूँ ।
मैं नॉलेजफुल हूँ ।	मैं निर्भय आत्मा हूँ ।
मैं निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी हूँ ।	मैं निवारण स्वरूप हूँ ।
मैं निर्विघ्न आत्मा हूँ ।	मैं निश्चयबुद्धि आत्मा हूँ ।
मैं निःस्वार्थ सेवाधारी हूँ ।	मैं नूरे रत्न हूँ ।
मैं पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ ।	मैं परमात्म पालना की अधिकारी आत्मा हूँ ।
मैं पवित्र आत्मा हूँ ।	मैं पूर्वज आत्मा हूँ ।
मैं पूज्य आत्मा हूँ ।	मैं पुण्य आत्मा हूँ ।
मैं फरमानबरदार हूँ ।	मैं बन्धनमुक्त हूँ ।
मैं निमित्त हूँ । करन-करावनहार बाबा है	मैं बाप की छत्रछाया में रहने वाला हूँ ।
मैं बाप सामान हूँ ।	मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ ।
मैं मरजीवा हूँ ।	मैं महान आत्मा हूँ ।
मैं महादानी हूँ ।	मैं मधुबन वासी हूँ ।

मैं मर्सीफुल हूँ ।	मैं मास्टर रचयिता हूँ ।
मैं मास्टर क्षमा का सागर हूँ ।	मैं यज्ञ रक्षक हूँ ।
मैं मायाजीत हूँ ।	मैं माईट हाउस हूँ ।
मैं मेहमान हूँ ।	मैं मास्टर बीजरूप हूँ ।
मैं राजयोगी हूँ ।	मैं राजऋषि हूँ ।
मैं रहे गुलाब हूँ ।	मैं लॉ मेकर हूँ ।
मैं लाइट हाउस हूँ ।	मैं व्यर्थ विकल्प विकारों का विनाश करने वाला शंकर हूँ ।
मैं बेगमपुर का बादशाह हूँ ।	मैं फखुर में रहने वाला बेफिकर बादशाह हूँ ।
मैं स्वमान की शान में रहने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ ।	मैं डायरेक्ट बाप के डायरेक्शन पर एक्ट करने वाला हीरो एक्टर हूँ ।
मैं मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ ।	मैं विजयी रत्न हूँ ।
मैं विश्व कल्याणकारी हूँ ।	मैं सन्तुष्टमणि हूँ ।
मैं सफलता मूर्त हूँ ।	मैं फ्राकदिल हूँ ।
मैं सर्व प्राप्ति सम्पन्न हूँ ।	मैं सर्व सिद्धि स्वरूप हूँ ।
मैं सर्व श्रेष्ठ आत्मा हूँ ।	मैं सूर्यवंशी हूँ ।
मैं सूक्ष्मवतन वासी हूँ ।	मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ ।
मैं स्वदर्शन चक्रधारी हूँ ।	मैं शान्तिदूत हूँ ।
मैं शिव शक्ति हूँ ।	मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ ।
मैं हर्षितमूर्त हूँ ।	मैं होलीएस्ट आत्मा हूँ ।
मैं प्रभूप्रिय आत्मा हूँ ।	मैं खुदाई खिदमतगार हूँ ।
मैं उम्मीदों का सितारा हूँ ।	मैं संकल्प, स्वप्न, समय को सफल करने वाला सफलता मूर्त हूँ ।
मैं स्वचिन्तन, शुभ चिन्तन, शुभ चिन्तक आत्मा हूँ ।	मैं परचिन्तन, परमत, परदर्शन से मुक्त आत्मा हूँ ।
मैं वफादार आत्मा हूँ ।	मैं वरदानी मूर्त हूँ ।
मैं मनजीत हूँ ।	मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ ।